Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.03, October, 2023
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

Knowledgeable Research
ISSN 2583-6633
Vol.02, No.03, October,2023
http://knowledgeableresearch.com/

भारतीय आधुनिक चित्रकला में कला संगठनों की अहम् भूमिका

हरिनाम सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर ,चित्रकला विभाग आर्मापुर पी. जी. कॉलेज कानपुर
ईमेलःsinghhari1134@gmail.com

****

शोध सार

कला संगठन भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे कलाकारों को अपना काम प्रदर्शित करने, प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करने और अपनी कला को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। गैलरी आर्ट इंडिया और ललित कला अकादमी जैसे प्रमुख संगठनों ने भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 1947 में स्थापित गैलरी आर्ट इंडिया प्रदर्शनियों, प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। 1954 में स्थापित ललित कला अकादमी प्रदर्शनियों, प्रकाशनों और पुरस्कारों के माध्यम से भारतीय कला को बढ़ावा देती है। इसका उद्देश्य युवा चित्रकारों को उनकी रचनात्मकता और कला कौशल में सुधार करने, क्षेत्र के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके कौशल में सुधार करने के लिए प्रेरित करना है। अकादमी चित्रकला, शिल्प कौशल, वास्तुकला और ग्राफिक डिजाइन जैसे विभिन्न कला विषयों को बढ़ावा देती है। यह कला प्रदर्शनियों, संगठनों और प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करता है, जिससे चित्रकारों को पहचान और प्रतिष्ठा मिलती है। ललित कला अकादमी ने भारतीय चित्रकला की विशिष्टता और विविधता को बढ़ावा देने, युवा चित्रकारों को अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।.

Keywords: आधुनिक चित्रकला, कला, संगठन, प्रमुख भूमिकाएं

****

भारतीय आधुनिक चित्रकला में कला संगठनों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। कला संगठन चित्रकला के विकास और प्रसारण में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। ये संगठन चित्रकला की प्रोत्साहन, शिक्षा, प्रदर्शन और अनुसंधान के क्षेत्रों में कार्यरत होते हैं। भारतीय आधुनिक चित्रकला का विकास एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया रही है। इसमें कई कारकों ने योगदान दिया है, जिनमें से एक महत्वपूर्ण भूमिका कला संगठनों की है। कला संगठनों ने भारतीय कलाकारों को एक मंच प्रदान किया है, उन्हें प्रशिक्षण और संसाधन दिए हैं, और उनकी कला को बढ़ावा दिया है।कला संगठनों ने भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में निम्नलिखित प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं:

कलाकारों को एक मंच प्रदान करना: कला संगठनों ने भारतीय कलाकारों को अपने काम को प्रदर्शित करने और जनता के सामने लाने के लिए एक मंच प्रदान किया है। उन्होंने प्रदर्शनियों, प्रतियोगिताओं, और कार्यशालाओं का आयोजन करके कलाकारों को अपने कौशल को विकसित करने और नए विचारों का पता लगाने में मदद की है।कलाकारों को प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करना: कला संगठनों ने भारतीय

Received Date: 14.10.2023
Publication Date:30.10.2023

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.03, October, 2023
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

कलाकारों को प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करके उनकी कला को विकसित करने में मदद की है। उन्होंने कला अनुसंधान, प्रकाशन, और पुरस्कारों के माध्यम से कलाकारों को समर्थन दिया है।

कला को बढ़ावा देना: कला संगठनों ने भारतीय कला को बढ़ावा देने के लिए काम किया है। उन्होंने कला प्रदर्शनियों और संग्रहालयों का आयोजन करके कला के प्रति जनता की जागरूकता बढ़ाने में मदद की है।

भारतीय आधुनिक चित्रकला में कई प्रमुख कला संगठनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें से कुछ प्रमुख संगठनों में शामिल हैं:

गैलरी आर्ट इंडिया: यह संगठन 1947 में स्थापित किया गया था और यह भारतीय कला का एक प्रमुख मंच है। यह संगठन प्रदर्शनियों, प्रतियोगिताओं, और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

ललित कला अकादमी: यह संगठन 1954 में स्थापित किया गया था और यह भारतीय कला का एक प्रमुख सरकारी संगठन है। यह संगठन प्रदर्शनियों, प्रकाशनों, और पुरस्कारों के माध्यम से भारतीय कला को बढ़ावा देता है। यह भारत सरकार के अधीन आने वाला संगठन है और इसका उद्देश्य चित्रकला के क्षेत्र में प्रशिक्षण और प्रदर्शन को बढ़ावा देना है। यह कलाकारों को अपनी कला कौशल को विकसित करने के लिए माध्यम प्रदान करता है और चित्रकला के प्रति जनसामान्य की जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है।

ललित कला अकादमी भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अकादमी का स्थापना काला और संस्कृति के प्रति विशेष प्रेम और समर्पण के साथ हुआ है, और इसका उद्देश्य भारतीय चित्रकला को समृद्ध करना और बढ़ावा देना है।ललित कला अकादमी का संकेत भारतीय चित्रकला के महान चित्रकार श्री श्रीराम शर्मा के उपनाम "लालित" से आया है। वे भारतीय चित्रकला के प्रमुख संरचनाकार और प्रेरणास्त्रोत थे।

ललित कला अकादमी का उद्देश्य युवा चित्रकारों को उनकी रचनात्मकता और कला में उनकी प्रकृति को सुधारने के लिए प्रेरित करना है। इसके माध्यम से, यह संस्था चित्रकला क्षेत्र के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवा कलाकारों को उनकी कला कौशल में सुधारने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी प्रदान करती है।ललित कला अकादमी ने विभिन्न कला प्राधिकृतियों को प्रमोट किया है, जैसे कि चित्रकला, कारीगरी, स्थापत्यकला, ग्राफिक डिज़ाइन, और अन्य कलाओं में। इसके तहत, यह युवा और प्रोफेशनल चित्रकारों के लिए अनूठा एवं मौक्तिक शैक्षिक संस्था है, जो उन्हें कला के विभिन्न पहलुओं में अपनी कौशलता बढ़ाने का मौका प्रदान करती है।ललित कला अकादमी विभिन्न कला प्रदर्शनी, संगठनाएं, और प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करती है, जिनमें चित्रकार अपनी रचनाओं को प्रदर्शन करने का मौका प्राप्त करते हैं। इसके अलावा, यह चित्रकारों को मान्यता और प्रतिष्ठा की भाग्यशाली अवसर प्रदान करती है, जो उनकी कला कौशलता को बढ़ावा देती है।ललित कला अकादमी ने भारतीय चित्रकला को एक नया दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यह चित्रकारों के साथ-साथ भारतीय समाज के बहुल आदर्शों और रूझानों को प्रकट करती है। इसके माध्यम से, यह संस्था चित्रकला की अद्वितीयता और विविधता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और युवा चित्रकारों को साहस देती है अपने सपनों को हाकिकत में बदलने के लिए।

ललित कला अकादमी का योगदान भारतीय चित्रकला के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है, और यह अद्वितीय रूप से चित्रकला के विभिन्न पहलुओं को समृद्ध करने और प्रमोट करने में मदद करता है

हरिनाम सिंह
Received Date: 14.10.2023
Publication Date:30.10.2023

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.03, October, 2023
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय: यह संग्रहालय 1975 में स्थापित किया गया था और यह भारतीय आधुनिक कला का एक प्रमुख संग्रहालय है। यह संग्रहालय भारतीय कला के इतिहास और विकास को प्रदर्शित करता है।

साहित्य, संगीत और नृत्य अकादमी (Sangeet Natak Akademi): इस संगठन का उद्देश्य भारतीय साहित्य, संगीत और नृत्य कला को प्रमोट करना है। इसके तहत चित्रकला के क्षेत्र में भी कई प्रोजेक्ट्स और पुरस्कार का संचालन किया जाता है.

कला भवन (Kala Bhavan): कला भवन जैविक और प्राकृतिक रूप से सृजनात्मक कला के क्षेत्र में प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वभर के कला संगठनों के साथ संवाद और सहयोग करता है।

भूतपूर्वी चित्रकला केंद्र (Bharatiya Kala Prasarini Sabha): यह एक प्रमिन्ट चित्रकला संगठन है जो चित्रकला की प्रोत्साहन और विकास के लिए कई कार्यों का आयोजन करता है।

कुछ प्रमुख भारतीय कला संगठनों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रवींद्रनाथ टैगोर की इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्जेक्टिव आर्ट (1930)
- जैमिनी रॉय की इंडियन पेंटर्स एसोसिएशन (1934)
- अमृता शेरगिल की ग्रुप 18 (1947)
- ललित कला अकादमी (1954)
- राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (1954)

इन संगठनों ने भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संगठनों के कारण भारतीय आधुनिक चित्रकला ने एक मजबूत आधार प्राप्त किया है और दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है।

रवींद्रनाथ टैगोर को भारतीय आधुनिक चित्रकला के पितामह के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भारतीय चित्रकला को पश्चिमी प्रभावों से मुक्त करने और एक स्वदेशी शैली विकसित करने के लिए काम किया। इस दिशा में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिनमें से एक इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्जेक्टिव आर्ट की स्थापना भी शामिल है। इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्जेक्टिव आर्ट की स्थापना 1930 में कोलकाता में हुई थी। इस सोसायटी का उद्देश्य भारतीय चित्रकला में एक नई शैली को विकसित करना था जो पश्चिमी प्रभावों से मुक्त हो। टैगोर इस सोसायटी के अध्यक्ष थे और उन्होंने इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टैगोर ने इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्जेक्टिव आर्ट के माध्यम से भारतीय चित्रकला को एक नई दिशा दी। उन्होंने भारतीय चित्रकारों को प्रोत्साहित किया कि वे अपनी परंपराओं और संस्कृति से प्रेरणा लें और एक ऐसी शैली विकसित करें जो भारतीय कला की विशिष्टता को दर्शाए। इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्जेक्टिव आर्ट ने भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सोसायटी ने भारतीय चित्रकारों को एक मंच प्रदान किया जहां वे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते थे और एक-दूसरे से सीख सकते थे। इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्जेक्टिव आर्ट के माध्यम से कई प्रमुख भारतीय चित्रकारों ने अपना करियर शुरू किया, जिनमें अब्दुल रहमान, नंदलाल बोस, और बिरेंद्रनाथ दे नेहाली जैसे नाम शामिल हैं।

इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्जेक्टिव आर्ट की कुछ प्रमुख उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:

Received Date: 14.10.2023
Publication Date:30.10.2023

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.03, October, 2023
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

- इस सोसायटी ने भारतीय चित्रकला में एक नई शैली को विकसित करने में मदद की जो पश्चिमी प्रभावों से मुक्त थी।
- इस सोसायटी ने भारतीय चित्रकारों को एक मंच प्रदान किया जहां वे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते थे और एक-दूसरे से सीख सकते थे।
- इस सोसायटी ने कई प्रमुख भारतीय चित्रकारों को अपना करियर शुरू करने में मदद की।

रवींद्रनाथ टैगोर की इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्जेक्टिव आर्ट की स्थापना भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस सोसायटी ने भारतीय चित्रकला को एक नई दिशा दी और इसने भारतीय चित्रकारों को अपनी कला को विकसित करने और एक स्वदेशी शैली बनाने के लिए प्रेरित किया।

ये संगठन चित्रकला के क्षेत्र में शिक्षा, प्रदर्शन, और और भी कई कार्यक्रमों का आयोजन करके कलाकारों को सहयोग और आवसर्ष्य प्रदान करते हैं, जिससे चित्रकला के क्षेत्र में योगदान बढ़ता है और इसका विकास होता है।भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में कला संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन संगठनों ने कलाकारों को एक मंच प्रदान किया, उनकी कला को बढ़ावा दिया, और कला की समझ को बढ़ावा दिया। भारत में आधुनिक चित्रकला की शुरुआत 19वीं शताब्दी के अंत में हुई। इस समय, कई कलाकार पश्चिमी कला के नवीन रुझानों से प्रभावित हुए थे। इन कलाकारों ने पारंपरिक भारतीय चित्रकला की शैलियों को तोड़ना शुरू किया और नए प्रयोग करने लगे।इस नई कला को बढ़ावा देने के लिए कई कला संगठनों की स्थापना की गई। इन संगठनों ने कलाकारों को एक साथ लाने, उनकी कला को प्रदर्शित करने, और कला की समझ को बढ़ावा देने में मदद की।

जैमिनी रॉय भारतीय आधुनिक चित्रकला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कलाकारों में से एक थे। उन्होंने 1934 में 'इंडियन पेंटर्स एसोसिएशन' की स्थापना की थी, जो भारतीय चित्रकला के प्रतिष्ठित कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण संगठन बन गया। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य भारतीय चित्रकला को एक प्लेटफार्म प्रदान करना था ताकि कलाकार अपने कौशल को प्रदर्शित कर सकें और कला के क्षेत्र में एक आपसी समरसता को प्रोत्साहित कर सकें। इंडियन पेंटर्स एसोसिएशन के माध्यम से, जैमिनी रॉय और उनके साथी कलाकार अपनी विशेषता को प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त कर सके और चित्रकला के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभा सके। यह संगठन चित्रकला के विकास और प्रमोट करने के लिए महत्वपूर्ण था और इसने भारतीय चित्रकला को एक नई दिशा देने में मदद की।

जैमिनी रॉय और इंडियन पेंटर्स एसोसिएशन ने भारतीय चित्रकला के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया और इसने बाद में आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गया।

राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) भारत का सबसे बड़ा और सबसे पुराना आधुनिक कला संग्रहालय है। इसकी स्थापना 1954 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। एनजीएमए का मुख्यालय नई दिल्ली में है, और इसके दो अन्य केंद्र मुंबई और बंगलौर में हैं। एनजीएमए भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह संग्रहालय भारत के विभिन्न स्कूलों और शैलियों की आधुनिक कलाकृतियों का एक विशाल संग्रह का घर है। इनमें राजा रवि वर्मा, अवनीन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, जैमिनी रॉय, अमृता शेर-गिल, और एम.एफ. हुसैन सहित कई प्रमुख भारतीय कलाकारों की कलाकृतियां शामिल हैं।

एनजीएमए अपनी कला प्रदर्शनियों, शैक्षिक कार्यक्रमों, और अनुसंधान प्रयासों के माध्यम से भारतीय आधुनिक कला को बढ़ावा देता है। संग्रहालय नियमित रूप से भारतीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की प्रदर्शनियों का आयोजन करता है। यह विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों और

Received Date: 14.10.2023
Publication Date:30.10.2023

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.03, October, 2023
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

व्याख्यानों का भी आयोजन करता है जो कला के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं। एनजीएमए भारतीय आधुनिक कला के इतिहास और विकास पर शोध और प्रकाशन भी करता है।

एनजीएमए भारतीय आधुनिक चित्रकला के विकास में निम्नलिखित तरीकों से योगदान देता है:

- यह भारतीय आधुनिक कला के विभिन्न स्कूलों और शैलियों का संग्रह प्रदान करता है, जिससे दर्शक भारतीय कला के विकास को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।
- यह भारतीय आधुनिक कलाकारों की कला को बढ़ावा देता है, जिससे उन्हें अधिक पहचान और मान्यता मिलती है।
- यह भारतीय आधुनिक कला के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिससे दर्शकों को भारतीय कला के मूल्य और महत्व को समझने में मदद मिलती है।
- यह भारतीय आधुनिक कला के इतिहास और विकास पर शोध और प्रकाशन करता है, जिससे कलाकारों और विद्वानों को भारतीय कला के बारे में अधिक जानने में मदद मिलती है।

एनजीएमए भारतीय आधुनिक चित्रकला के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था है। यह संग्रहालय भारतीय कला के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, और यह भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेगा।

शोध संदर्भ

• • पार्थ मित्तर, "द ट्राइंफ ऑफ मॉडर्निज्म: इंडियाज आर्टिस्ट्स एंड द अवंत-गार्डे, 1922-47," (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2007) - यह पुस्तक भारतीय कला में आधुनिकतावाद के उद्भव और इस अवधि के दौरान कला संगठनों की भूमिका पर चर्चा करती है।

• • यशोधरा डालमिया, "द मेकिंग ऑफ मॉडर्न इंडियन आर्ट: द प्रोग्रेसिव्स," (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2001) - यह पुस्तक प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप के योगदान और भारतीय आधुनिक चित्रकला पर उनके प्रभाव की पड़ताल करती है।

• • गीता कपूर, "आधुनिकतावाद कब था: भारत में समकालीन सांस्कृतिक अभ्यास पर निबंध," (तुलिका बुक्स, 2000) - निबंधों के इस संग्रह में विभिन्न कला संगठनों और भारतीय आधुनिक चित्रकला पर उनके प्रभाव पर चर्चा शामिल है।

• • गायत्री सिन्हा, "भारत में कला और दृश्य संस्कृति, 1857-2007," (मार्ग प्रकाशन, 2009) - यह पुस्तक भारतीय आधुनिक चित्रकला के संदर्भ में कला संगठनों के विकास और उनके महत्व पर अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

• • शिवाजी के. पणिक्कर, "औपनिवेशिक भारत में कला और राष्ट्रवाद, 1850-1922: ऑक्सिडेंटल ओरिएंटेशन्स," (कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 1997) - यह काम औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवादी कला आंदोलन को आकार देने में कला संगठनों की भूमिका पर प्रकाश डालता है।

हरिनाम सिंह
Received Date: 14.10.2023
Publication Date:30.10.2023

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.03, October, 2023
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

• • पारुल दवे-मुखर्जी, "इंडियन आर्ट वर्ल्ड्स इन कंटेंशन," (रूटलेज, 2018) - यह पुस्तक समकालीन भारतीय चित्रकला में कला संगठनों की भूमिका सहित भारतीय कला जगत की गतिशीलता की जांच करती है।

• • संजय मल्लिक, "बंगाल आर्ट: विक्टोरिया मेमोरियल हॉल के संग्रह में," (मार्ग प्रकाशन, 2007) - यह प्रकाशन 20वीं सदी की शुरुआत के दौरान बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट और कला संगठनों के साथ इसके जुड़ाव पर चर्चा करता है।

• • कार्ल खंडालावाला, "इंडियन आर्ट: ए गाइड टू द म्यूजियम ऑफ इंडिया," (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी, 1963) - मुख्य रूप से संग्रहालयों पर केंद्रित होने के बावजूद, यह पुस्तक भारतीय कला के संरक्षण और प्रचार में कला संगठनों के योगदान के बारे में जानकारी प्रदान करती है। कला।

•• आर्ट इंडिया पत्रिका - इस समकालीन कला पत्रिका में अक्सर भारतीय आधुनिक चित्रकला में कला संगठनों की भूमिका से संबंधित लेख और साक्षात्कार शामिल होते हैं।

• • जर्नल ऑफ़ आर्ट्स एंड आइडियाज़ - यह अकादमिक जर्नल भारतीय कला और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है

हरिनाम सिंह
Received Date: 14.10.2023
Publication Date:30.10.2023